



Dimple

20 Aug 1978

Model: web-freenumerology

Order No: 121867806

अंक ज्योतिष फल

नाम	Dimple
जन्म तिथि	20/08/1978
मूलांक	2
भाग्यांक	8
नामांक	7
मूलांक स्वामी	चन्द्र
भाग्यांक स्वामी	शनि
नामांक स्वामी	नेप/केतु
मित्र अंक	7, 9, 8
शत्रु अंक	5,
सम अंक	1, 3, 4, 6
मुख्य वर्ष	1991,2000,2009,2018,2027,2036,2045,2054
शुभ आयु	13,22,31,40,49,58,67,76
शुभ वार	सोम, रवि, शुक्र
शुभ मास	फर, जुला, सित
शुभ तारीख	2, 11, 20, 29
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
अनुकूल देव	शिव
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः
शुभ यंत्र	चन्द्र यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 20 है। दो एवं शून्य का जोड़ दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्र तथा शून्य शिव या ब्रह्म है। इनके संयुक्त प्रभाव से आप एक सौम्य, सुन्दर एवं कल्पनाशील महिला होंगी। कल्पना शक्ति आपकी श्रेष्ठ रहेगी। अधिकांश कार्य आप अपनी बुद्धि से करेंगी। शारीरिक कार्यों में आपकी रुचि कम होगी। चन्द्र प्रभाववश आप अपनी योजनाओं में काट-छांट करने की आदी रहेंगी। इससे आपका कार्य देर से पूर्ण होगा। आपकी कुछ योजनाएं अधर में ही लटक जायेंगी। जिनका आपको पछतावा होगा तथा मानसिक यातना भी होगी।

मन आपका चंचल होने से आप गतिशील रहना पसन्द करेंगी। इस स्वभाव से आप दूर-दूर की यात्राएं करेंगी तथा देश विदेश का भ्रमण करेंगी। एकाध यात्रा तो ऐसी होंगी जो आपका भाग्य बदल देंगी। आत्मविश्वास की आप में कमी रहेगी। इससे कई कार्य आपके समय पर पूर्ण नहीं होंगे। कभी-कभी आप निराशा में डूब जायेंगी और शून्य की भाँति आपको जीवन अंधकारमय लगेगा। लेकिन धैर्य एवं साहस से कुछ समय उपरान्त आप पुनः खोई हुई प्रतिष्ठा को प्राप्त कर लेंगी।

सामाजिक स्थिति आपकी अच्छी रहेगी। जनता के मध्य आप लोकप्रिय रहेंगी। इससे आपकी मानसिक स्थिति काफी संतुलित रहेगी। चन्द्र स्वभाव से आपको सर्दी-जुकाम, कफ इत्यादि के रोग यदा-कदा पीड़ित करेंगे। मानसिक ऊर्जा का आप अधिक प्रयोग करेंगी। इस कारण कभी-कभी सिर दर्द, मानसिक तनाव इत्यादि होंगे। वैसे मूलांक के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल, लोकप्रिय तथा हैसियत वाली महिला होंगी।

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।